एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी–17

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए)

जुलाई–2024 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2025

जनवरी–2025 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2025

इग्नू जन–जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.एच.डी.–17
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–17
सत्रीय कार्य कोड : 2024–2025
कुल अंक : 100

1. **निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।** 10X4=40

(क) ''सत्येषु दुःखादिषु दृष्टरार्या सम्यग्वितर्कश्च पराक्रमश्च।
इदं त्रयं ज्ञानविधौ प्रवृत्तं प्रज्ञाश्रयं क्लेशपरिक्षयाय।।''

(ख) ''अतएव कटकादिजन्यं दुःखमेव नरकः।
लोकसिद्धो राजा परमेश्वरः देहच्छेदो मोक्षः।
देहात्मवादे च 'स्थूलोऽहं, कृशोऽहं, कृणोऽहय' इत्यादि सामानाधिकरण्योपत्तिः।
'मम् शरीरम्' इति व्यवहारो राहोः शिरः इत्योदिवदौपचारिकः।।

(ग) ''गुरू की जै महिमा निगुरा न रहिला।
गुरू बिनं ग्यांन न पाईला रे भाईला।।''

(घ) ''प्रमाण भूताय जगदहितैषिणे प्रणम्य शास्त्रे सुगताय तायिने।
प्रमाण सिद्दयै स्वमतात् समुच्च्यः करिष्यते विप्रसिता दिहैककः।।''

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 10X4=40

(क) अश्वघोष की कृतियों की भाषा–शैली, वस्तु–योजना तथा प्रकृति–चित्रण पर प्रकाश डालिए।
(ख) 'मिलिन्द प्रश्न' पुस्तक के महत्व को उद्घाटित कीजिए।
(ग) सिद्धों की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।
(घ) निर्गुण संतो के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। 5X4=20

(क) वचन साहित्य
(ख) महानुभाव पंथ
(ग) चार्वाक दर्शन
(घ) आर्य नागार्जुन

एम.एच.डी.–18
(दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–18
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–18/टी.एम.ए./ 2024–2025
कुल अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी 'दस' प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। **10X10=100**

1. दलित पैंथर आन्दोलन और दलित साहित्य के अंतः संबंध पर प्रकाश डालिए।
2. दलित चिंतन के उद्भव और विकास पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
3. महात्मा ज्योतिबा फूले के वैचारिक संघर्ष की विवेचना कीजिए।
4. जातिप्रथा के उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित करते हुए अपना मंतव्य व्यक्त कीजिए।
5. महात्मा फूले के अनुसार नारी उत्थान का मूलगामी आधार क्या है? नारी शिक्षा के लिए उनके प्रयासों की चर्चा कीजिए।
6. अछूतानन्द के सामाजिक सुधार आंदोलन पर प्रकाश डालिए।
7. हीरा डोम की 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त दलित चेतना के पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।
8. डॉ. अम्बेडकर के धर्म संबंधी चिंतन पर विचार कीजिए।
9. पेरियार ई. वी. रामास्वामी नायकर के आत्मसम्मान आंदोलन की क्रॉंतिकारी भूमिका स्पष्ट करें।
10. 'हिन्दू कोड बिल' वास्तविक रूप में भारतीय हिन्दू स्त्री के लिए प्रगत भविष्य में लाने वाला संवैधानिक कानून है।' इस तथ्य की विवेचना कीजिए।
11. दलित साहित्य के निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
12. 'दलित' शब्द का अभिप्राय क्या है? साहित्य के साथ जुड़कर वह किस तथ्य को अभिव्यक्त करता है।
13. दलित आलोचना के परिदृश्य का मूल्यांकन कीजिए।
14. 'दलित साहित्य में आत्मकथा एक प्रमुख विधा है'। इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।